

जुस्को स्कूल (जेम फाउंडेशन की ईकाई)

वार्षिक परीक्षा, सत्र - 2019 - 20

समय - 3 घंटे 15 मिनट

पूर्णांक - 80

कक्षा - आठवीं

विषय - हिन्दी

निर्देश - प्रश्न-पत्र चार खण्डों में दिए गए हैं। खण्ड क, खण्ड ख, खण्ड ग एवम् खण्ड घ।

सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार क्रम में लिखें।

खण्ड 'क'

- 1) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (1x5 = 5)
- काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार ये पाँच मानव के सबसे शत्रु कहे जाते हैं। ये पग - पग पर उसे नीचा दिखाने का कार्य करते हैं, परंतु अज्ञानता के कारण मनुष्य को ये शत्रु, शत्रु ही प्रतीत नहीं होते और इसी कारण वह इनको अपने से दूर नहीं करना चाहता, पर जो व्यक्ति इन शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर लेता है तथा निस्वार्थ भाव से समाज के हित की बात सोचता है, उसे संत कहने में किसे आपत्ति हो सकती है। इसमें कुछ भी मिथ्या नहीं कि ऐसा व्यक्ति सच्चे अर्थों में संत कहलाने का अधिकारी हो जाता है। किसी ने कितना सही कहा है - "संत परिधानों से नहीं, बल्कि आचरण से बना जाता है।" जिस व्यक्ति को ये विकार प्रभावित नहीं करते, वह संत है और उसका जीवन अपने आप में किसी तप से कम नहीं है। इसके विपरीत जो व्यक्ति उल्लिखित विकारों में से किसी एक विकार से भी ग्रस्त है, तो गेरूप वस्त्र धारण करने मात्र से उसे संत नहीं कहा जा सकता। ऐसा व्यक्ति तो संत का मुखौटा ओढ़े हुए एक बहुरूपिण के समान होता है। दुर्भाग्य का विषय है कि आज समाज में सच्चे संतों की संख्या कम हो रही है तथा संतों का वेष धारण किए बहुरूपियों की संख्या तेजी के साथ बढ़ रही है।

- क) मानव के सबसे बड़े शत्रु के रूप में पाँच विकार क्या हैं ?
ख) संत किसे कहा जाता है ?
ग) संत परिधानों से नहीं बल्कि किससे बना जाता है ?
घ) किसका जीवन अपने आप में किसी तप से कम नहीं होता ?
ङ) गद्यांश में दुर्भाग्य का विषय किसे कहा गया है ?

- 2) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (1x5 = 5)

नीड़ का निर्माण फिर - फिर, सृष्टि का आह्वान फिर - फिर।

वह उठी आँधी कि नभ में, छा गया सहसा अँधेरा,
धूलि - धूसर बादलों ने, भूमि को इस भाँति घेरा,
रात सा दिन हो गया फिर, रात आई और काली,
लग रहा था अब न होगा, इस निशा का फिर सबेरा।

- क) अचानक अँधेरा क्यों छा गया ?
ख) कवि किस बात के लिए किसका आह्वान करते हैं ?
ग) दिन कैसा हो गया ?
घ) काली रात को देखकर कवि को कैसा लग रहा था ?
ङ) 'रात' शब्द का पर्यायवाची शब्द लिखें।

खण्ड 'ख'

- 3) 'वि' उपसर्ग से दो शब्द बनाएँ। (1)
4) 'परदेश' शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द और उपसर्ग अलग कर लिखें। (1)
5) 'ता' प्रत्यय से दो शब्द बनाएँ। (1)
6) 'नागरिक' शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द और प्रत्यय अलग कर लिखें। (1)
7) 'लज्जा' शब्द की नामधातु क्रिया लिखें। (1)

8) दिए गए वाक्यों में से क्रिया शब्द छाँटकर क्रिया के भेद लिखें। (1x2 = 2)

क) कुम्हार बरतन बना रहा है।

ख) दरजी सिल रहा है।

9) निर्देशानुसार वाक्यों के काल बदलकर वाक्य दोबारा लिखें। (1x2 = 2)

क) अमित पेंसिल से चित्र बनाएगा। (वर्तमानकाल में)

ख) हम दिल्ली जा रहे हैं। (भविष्यकाल में)

10) नीचे लिखे वाक्यों को पढ़कर काल के भेद लिखें। (1x2 = 2)

क) आज हमारे यहाँ मेहमान आए थे।

ख) पिताजी मुंबई जाएँगे।

11) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन - सा अलंकार है? (1x2 = 2)

क) जेते तुम तारे तेते नभ में न तारे हैं।

ख) कायर क्रूर कपूत कुचली यूँ ही मर जाते हैं।

12) रिक्त स्थानों में उचित अव्यय शब्द भरें। (1x3 = 3)

क) मेरे घर पार्क है।

ख) बाहर तेज धूप है बच्चे नहीं खेल रहे।

ग) कितना दुखी है।

13) दिए गए वाक्यों में से क्रिया - विशेषण शब्द छाँटकर उनके भेद लिखें। (1x4 = 4)

क) कुत्ता जोर से भौंका।

ख) साधु कम बोलते हैं।

ग) पहाड़ से पत्थर नीचे गिर गया।

घ) बच्चे दिनभर खेलते

खण्ड 'ग'

14) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (1x5 = 5)

सरदियों के दिन थे। स्कूल की मेट्रन अन्ना मिखाइलोवना ने एक दिन स्कूल में दावत दी थी।

बहुत - से अतिथि आए थे। उसी स्कूल का एक गरीब लड़का माल्यूइश, दावत से एक दिन पहले ही अन्ना मिखाइलोवना के पास पहुँच गया था - दावत की तैयारियों में अपनी मेट्रन का हाथ बँटाने। गरम और ताजी रोटियों की दावत थी। माल्यूइश ने रोटियाँ बनती देखीं तो उसे अपनी माँ का खयाल आ गया। माँ ने बहुत दिनों से गरम रोटियाँ नहीं खाई थीं, हालाँकि उन्हें गरम - गरम रोटियाँ बहुत पसंद थीं।

क) उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ?

ख) स्कूल में दावत किसने दी थी ?

ग) माल्यूइश दावत से एक दिन पहले ही क्यों पहुँच गया था ?

घ) माल्यूइश को अपनी माँ का खयाल क्यों आया ?

ङ) दावत किस चीज की थी ?

15) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (1x5 = 5)

माँ ओ ! कहकर बुला रही थी, मिट्टी खाकर आई थी,
कुछ मुँह में, कुछ लिए हाथ में, मुझे खिलाने लाई थी।
मैंने पूछा - यह क्या लाई ? बोल उठी वह - माँ काओ,
हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से, बचपन बेटी बन आया,
उसकी मंजुल मूर्ति देखकर, मुझमें नवजीवन आया।

- क) उपर्युक्त पद्यांश किस कविता से ली गई है ?
 ख) मिट्टी खाकर कौन आई थी ?
 ग) 'माँ काओ' से बच्चों की किस आदत का पता चलता है ?
 घ) कवयित्री ने अपना बचपन किस रूप में पाया ?
 ङ) क्या देखकर कवयित्री के मन में नवजीवन आया ?

16) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखें।

(1x5 = 5)

नाजुक, ओझल, विलुप्त, संस्मरण, व्याकुल

17) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।

(1x5 = 5)

- क) संसार किन ज्वालाओं में जल रहा है ?
 ख) बदलू का चूड़ियाँ बेचने का तरीका क्या था ?
 ग) छोटे बच्चे ध्यानचंद से क्या जानना चाहते थे ?
 घ) सरी शहर की क्या खासियत है ?
 ङ) दरवाजा खोलने पर माल्युइश की माँ चकित क्यों रह गई ?

18) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में लिखिए।

(3x4 = 12)

- क) अन्ना की बेचैनी क्यों बढ़ रही थी ?
 ख) फिजी में भारतीयों के लिए शिक्षा की क्या व्यवस्था है ?
 ग) पिता के तबादलों का ध्यानचंद की शिक्षा पर क्या प्रभाव पड़ा ?
 घ) कवयित्री ने बचपन को 'अतुलित आनंद देनेवाला' क्यों कहा है ?
 ङ) बदलू ने अपना बनाया आखिरी जोड़ा क्यों नहीं बेचा ?
 च) समाज में परिवर्तन कैसे आएगा ?

19) माँ के प्रति आप अपना स्नेह या आदर कैसे प्रकट कर सकते हैं ?

(3)

खण्ड 'घ'

20) स्कूल के 'खेल सप्ताह' का वर्णन करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

(6)

अथवा

भाई के विवाह में सम्मिलित होने के लिए चार दिन का अवकाश माँगते हुए अपने प्रधानाचार्य को प्रार्थना – पत्र लिखिए।

21) दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर निबंध लिखिए।

(6)

"इंटरनेट"

संकेत बिंदु - *इंटरनेट का अर्थ *इंटरनेट की शुरुआत *इंटरनेट की उपयोगिता *इंटरनेट का महत्व "मेरा प्रिय खेल"

संकेत बिंदु - *खेलों का महत्व *मेरा प्रिय खेल *भारत में लोकप्रियता *कैसे खेलते हैं ?

*खेल की विशेषता *मुझे क्यों प्रिय है ?

22) माँ – पुत्री के बीच घर की सफाई पर संवाद लिखिए।

(3)

